नहीं घुसने दी एम्बुलेंस

स्ट्रेचर पर मरीज को सड़क तक लाए परिजन

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। एक्सीडेंट में जख्मी युवक को बेहतर उपचार के लिए ग्वालियर ले जा रहे परिजन जब प्राईवेट एंबुलेंस को बुलाकर लाए तो अस्पताल प्रबंधन

जिला अस्पताल प्रबंधन की मनमानी का वीडियो हुआ वायरल

की ओर से एंबुलेंस को जिला अस्पताल में प्रवेश करने से रोक दिया गया। जिसके बाद परिजन स्ट्रेचर पर मरीज को अस्पताल से मुख्य सड़क पर खड़ी एंबुलेंस तक लेकर पहुंचें। अस्पताल प्रबंधन की इस मनमानी का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। अस्पताल प्रबंधन के तुगलकी फरमान की सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा जमकर भर्त्सना भी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार अंबाह थाना क्षेत्र के ग्राम लहर निवासी जगदीश गुर्जर 5 अक्टूबर को बाइक फिसलने की वजह से घायल हो गया था। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जगदीश के भान्जे बंटी गुर्जर ने बताया कि जगदीश के पैर में दो जगह फ्रेक्चर हुआ है।

6 अक्टूबर सोमवार को परिजन ने जगदीश के बेहतर इलाज के लिए उसे ग्वालियर के निजी अस्पताल में भर्ती कराए जाने का निर्णय लिया। मरीज जगदीश के पुत्र श्यामू गुर्जर ने बताया कि जगदीश को ग्वालियर ले जाने के लिए उन्होंने प्राईवेट एंबुलेंस को बुलाया, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने प्राईवेट एंबुलेंस को जिला अस्पताल में प्रवेश करने से रोक दिया। तब मजबूर परिजन मरीज जगदीश को स्ट्रेचर पर लिटाकर एमएस रोड पर जिला अस्पताल के बाहर खड़ी एंबुलेंस तक लेकर पहुंचें।

मरीज को स्ट्रेचर पर अस्पताल के बाहर मुख्य सड़क तक ले जाने का वीडियो 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जगदीश के परिजन का कहना था कि उनके द्वारा 108 एंबुलेंस को इसलिए नहीं ले जाया गया, क्योंकि 108 एंबुलेंस मरीज को सरकारी अस्पताल में लेकर छोड़ती, जबकि उन्होंने ग्वालियर के एक प्राईवेट हॉस्पीटल में मरीज जगदीश का उपचार कराने के लिए बात कर ली थी।

डॉ. राकेश शर्मा अंर्तराष्ट्रीय शिक्षक रत्न से हुए सम्मानित

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। विश्व भर में

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पड़ौसी देश नेपाल की संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन के तत्वावधान में शिक्षक दिवस पर कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुरैना जिले के उच्च माध्यमिक शिक्षक डॉ. राकेश कुमार शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अंर्तराष्ट्रीय शिक्षक रत्न मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

बता दें कि शिक्षक डॉ. राकेश कुमार शर्मा का मूल विषय गणित है। मप्र शासन स्कूल शिक्षा विभाग के समृद्धि कार्यक्रम के लिए उन्होंने कक्षा दसवीं के गणित विषय के वृत अध्याय पर एक कविता की रचाना की थी, जिसे इस प्रतियोगिता के लिए भेजा था। इस अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस कविता प्रतियोगिता में 2143 रचनाकारों की सहभागिता रही। उत्कृष्ट कविता के आधार पर 260 रचनाकारों को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक रत्न मानद उपाधि सम्मान तथा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मित्र सम्मान से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु ने कहा कि हमारी संस्था बहुक्षेत्रीय प्रतिभाओं को नि:स्वार्थ भाव से प्रोत्साहित करती आई है। सम्मान मिलने पर डॉ. शर्मा ने कहा कि हिंदी के क्षेत्र में मुझे जो भी ज्ञान है वह मेरे गुरू डॉ. विष्णु कुमार अग्रवाल की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से प्राप्त हुआ है। डॉ. शर्मा ने अपना सम्मान गुरु डॉ. विष्णु कुमार अग्रवाल को समर्पित किया है।

सैंपलिंग : तीन प्रतिष्ठानों से लिए मिठाईयों के 6 नमूने

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। एफएसओ अवनीश गुप्ता के नेतृत्व में फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए लगातार दूसरे दिन मुरैना शहर में सैंपलिंग की कार्रवाई की। टीम ने मंगलवार को शहर की एमएस रोड पर संग्रहालय के सामने स्थित तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की। इन तीनों जगहों से

फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने लगातार दूसरे दिन की कार्रवाई

मिठाईयों के कुल 6 नमूने संग्रहित किए गए है। जिन्हें जांच के लिए लेबोरेटरी भेजा जा रहा है।

एफएसओ अवनीश गुप्ता की टीम ने मंगलवार को पहली कार्रवाई एमएस रोड पर अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल संग्रहालय के सामने स्थित छप्पन भोग मिष्ठान्न भंडार पर की। यहां से मलाई बरफी और बेसन के लड्डू के नमूने लिए गए। दूसरी कार्रवाई कार्रवाई करते हुए टीम ने बालाजी मिष्ठान्न भंडार से मावा पेड़ा और चूरमा के लड्डू के सैंपल लिए। टीम ने तीसरी कार्रवाई संग्रहालय के सामने स्थित श्याम बीकानेर स्वीट्स पर की। यहां से यहां से बेसन के लड्डू और मावा बरफी के सैंपल लिए। सभी सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

विस अध्यक्ष तोमर ने सम्मान से नवाजे राठौर समाज के होनहार

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। राठौर क्षत्रिय समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 7 अक्टूबर को स्थानीय गांधी बाल निकेतन में आयोजित हुआ। समारोह में मप्र

राठौर क्षत्रिय समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री तोमर ने होनहार छात्रों को सम्मानित करते हुए कहा कि किसी भी समाज के विकास में शिक्षा का अहम योगदान होता है। शिक्षित व्यक्ति समाज को नई दिशा प्रदान करने का कार्य करता है।

सम्मान समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष साधु सिंह राठौर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्षता राठौर समाज के अध्यक्ष मुकेश सिंह राठौर ने की।

कार्यक्रम का संचालन धर्मेन्द्र राठौर, पवन राठौर सबलगढ़ एवं संजय राठौर ने किया। समारोह में अमरलाल, ओमप्रकाश राठौर श्योपुर, दिनेश राठौर भिंड, हरीओम राठौर शिवपुरी, राजेन्द्र राठौर, सुरेश राठौर, नरेश राठौर, प्रतिभा सम्मान टीम के प्रभारी चतुर सिंह राठौर, रघुवीर राठौर, प्रेमकिशोर राठौर, महेश राठौर, प्रदीप, मुनेश, रामलखन, हरीओम पार्षद, जगदीश, भूरेलाल अंबाह आदि उपस्थित थे।

बाल्मीकि जयंती पर जौरा में निकली शोभायात्रा, हुआ स्वागत

नवभारत न्यूज

मुरैना/जौरा, 7 अक्टूबर। महर्षि बाल्मीकि जयंती जौरा कस्बे में धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसका नगर में कई जगह सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया।

शोभायात्रा में भगवान महर्षि बाल्मीकि की अलौकिक एवं आकर्षक झांकी को भव्य रथ पर विराजमान किया गया था। जिसके साथ सैकड़ों श्रद्धालु बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों की धुन और भजन संकीर्तन की गूंज ने पूरे नगर को आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित कर दिया। नगरपालिका अध्यक्ष

अखिल माहेश्वरी ने पार्षदों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों एवं नागरिकों के साथ शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर माहेश्वरी ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि केवल आदिकवि ही नहीं बल्कि भगवान के साक्षात् दर्शन से प्रेरित होकर राम के चरित्र पर आधारित महाग्रंथ रामायण के रचयिता तथा मानवताए समानता और सत्य के परम उपासक थे। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि ज्ञान और आचरण ही मनुष्य का सच्चा आभूषण है।

स्वागत करने वालों में सुनील शर्मा, शिवदयाल सिंह गौड़, विनोद रावत बंटी, डॉ. रंजना रवीन्द्र त्यागी, विनोद बबलू शर्मा, संगीता अनिल सोनी, कदम सिंह कुशवाह, सुनीता जाटव, बनवारीलाल डागौर, बीरबल सिंह जाटव, पंजाब जाटव के अलावा तमाम गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

योग-ध्यान बनाते है शरीर-मन और आत्मा का संतुलन : भारती

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। लॉयंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा चलाए जा रहे सेवा सप्ताह के चौथे दिन मंगलवार को लॉयंस क्लब मुरैना एलीट के तत्वावधान में योग एवं

लॉयन्स क्लब एलीट का योग व ध्यान वर्कशॉप आयोजित

ध्यान के माध्यम से तनाव एवं चिंता मुक्त जीवन विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का आयोजन जय योगा सेंटर पर हुआ।

वर्कशॉप में लॉयन्स क्लब एलीट की अध्यक्ष भारती मोदी ने कहा कि आज के हालात में भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और चिंता हर उम्र के व्यक्ति के जीवन का हिस्सा बन चुके है। योग और ध्यान ही ऐसे साधन हैं जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर मानसिक शांति प्रदान करने का काम करते है। वर्कशॉप में योगाचार्य जयकिशन शर्मा ने योग एवं ध्यान के विभिन्न आसनों और उनके लाभों से अवगत कराते हुए अभ्यास कराया। इस वर्कशॉप में क्लब के रीजन चेयरपर्सन अविनाश अग्रवाल, जोन चेयरपर्सन डॉ. हेमा सिंहल, पास्ट आरसी डॉ. रितु राठी, नीता बांदिल, राजेश बांदिल, पं. जेपी शर्मा, राजेश गुप्ता विशेष रूप से मौजूद रहे। इस वर्कशॉप के आयोजन में क्लब की सचिव ज्योति मोदी, मयूरी गुप्ता, रानी अग्रवाल, पारुल गुप्ता, अंशुल गुप्ता, मयूरी बांदिल, पूजा शर्मा, सुरभि मित्तल, अंजना शिवहरे का सराहनीय योगदान रहा। वर्कशॉप में उपस्थित लोगों ने अपने दैनिक जीवन में योग एवं ध्यान को अपनाकर स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का संदेश समाज तक पहुंचानें का संकल्प भी लिया।

एक नजर में

महर्षि बाल्मीकि ने ज्ञान-कर्म से समाज को नई दिशा दी : त्यागी

मुरैना। महर्षि बाल्मीकि की जयंती पर मंगलवार को नगर में निकले चल

समारोह का नगर में तिकोनिया पार्क पहुंचनें पर भाजपा नेता हरेन्द्र त्यागी ने पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया। उनके द्वारा महर्षि बाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर आरती भी उतारी। इस मौके पर श्री त्यागी ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि ने अपने ज्ञान, आस्था और कर्म के बल पर समाज को नई दिशा दी। इस मौके पर श्री त्यागी के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और नगर के गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

स्वर्णकार समाज ने मनाई महाराजा अंबरीष की जयंती

मुरैना/जौरा। शरद पूर्णिमा के

अवसर पर स्वर्णकार समाज के तत्वावधान में कस्बा जौरा में महाराज अंबरीष की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। जिसमें गौरी, परी, सेजल, तन्वी, खुशी, आयुषी द्वारा नृत्य, राघव वर्मा, मोहित द्वारा सुंदर गीतों की प्रस्तुतियां दीं गईं। इसके बाद स्वर्णकार समाज के सभी बुजुर्गों का युवा टीम द्वारा सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में विजेता बालक-बालिकाओं को भी पुरस्कार बांटे गए। अंत में सामूहिक आरती हुई। इस मौके पर डॉ. रामजीलाल वर्मा, गिरीशचंद्र वर्मा, बाबूलाल वर्मा, द्वारका प्रसाद वर्मा, दिनेश वर्मा, रमाशंकर वर्मा, मुन्नालाल वर्मा, सीताराम वर्मा, राजकुमार वर्मा, अशोक वर्मा, राजबहादुर वर्मा, अनिल वर्मा, दिनेश वर्मा, रामप्रकाश वर्मा आदि समाजबंधु मौजूद रहे।

जयंती पर अजाक्स ने महर्षि बाल्मीकि को किया नमन

मुरैना। अनुसूचित जाति, जनजाति अधिकारी कर्मचारियों के संगठन अजाक्स के जिला पदाधिकारियों ने महर्षि बाल्मीक की जयंती जिला जेल के पास स्थित बाल्मीकि मंदिर पर मनाई। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रेम सिंह, रुस्तम सिंह धारियां, इंजी. आरपी माहौर, रामदास दोंदेरिया, वीरेंद्र बंसल, पवन दोंदेरिया, माखन अर्गल, नरोत्तम माहौर, बीआर दोंदेरिया, रामजीलाल, अमन, जंडेल, जयकुमार, रतनलाल, रामनारायण, बाबूलाल, विनोद डागौर, सूरज, दौलतराम, परमानंद आदि मौजूद रहे।

नई सोच व सामाजिक चेतना का वाहक है शिक्षक : डॉ. सिंह

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर बिस्मिल शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा संस्थान द्वारा विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय शिक्षक, नवाचार, मूल्य और प्रेरणा के संवाहक रहा।

बिस्मिल फाउंडेशन के अध्यक्ष

विश्व शिक्षक दिवस पर शिक्षा के बदलते स्वरूप पर हुई संगोष्ठी

शिक्षाविद डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने कहा कि आज का शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि नई सोच और सामाजिक चेतना का वाहक है। जब शिक्षक अपने विद्यार्थियों में जिज्ञासा और रचनात्मकता जगाते हैं, तभी शिक्षा सार्थक बनती है। आधुनिक तकनीक के युग में भी

शिक्षक का मानवीय स्पर्श विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है। इस प्रकार, एआई के युग में शिक्षक की भूमिका अब पहले से कहीं अधिक प्रेरक, संवेदनशील और जिम्मेदार हो गई हैं। संगोष्ठी में वक्ताओं ने शिक्षा प्रणाली में रचनात्मकता, नैतिक मूल्यों, डिजिटल साक्षरता और विद्यार्थी-शिक्षक संवाद की आवश्यकता पर विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर गिरीश शर्मा, विमलेश यादव, विनोद सिकरवार, रघुराज परमार, जितेन्द्र सिकरवार, विनोद शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, रामबरन शर्मा, रवि राजपूत, शिवराज जालौर, कुबेर खरे, रश्मि, मनमोहन सिंह, भारत सिकरवार आदि उपस्थित थे।

आचार्य विद्यासागर के उपकार व संदेश अविस्मरणीय

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। संपूर्ण विश्व को सत्य, अहिंसा, शाकाहार, जीवदया, परोपकार और जियो और जीने दो का संदेश देने वाले समाधिस्थ दिगम्बराचार्य विद्यासागर महाराज भले ही आज शारीरिक रूप से हमारे बीच मौजूद नहीं हैं लेकिन उनके द्वारा दिए गए संस्कार, उपदेश, शिक्षाएं अविस्मरणीय होकर हमारे हृदय पटल पर अंकित हैं। उन्होंने सदैव विदेशी वस्तुओं को त्यागने एवं स्वदेशी को अपनाने का संदेश दिया। उनके उपकार को हम सभी न कभी भूल सकते हैं, न कभी चुका सकते हैं।

यह उद्गार शरद पूर्णिमा के अवसर पर आचार्य विद्यासागर के अवतरण दिवस पर मुनिश्री विलोकसागरजी महाराज ने बड़े जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुनिश्री विबोधसागर महाराज ने बताया कि आचार्य विद्यासागर का बाह्य व्यक्तित्व भी उतना ही मनोरम था, जितना अंतरंग, तपस्या में वे वज्र से कठोर थे, पर उनके मुक्त हास्य और सौम्य मुखमुद्रा से कुसुम की कोमलता झलकती थी। वे आचार्य कुन्दकुन्द और समन्तभद्र की परम्परा को आगे ले जाने वाले आचार्य थे तथा यशोलिप्सा से अलिप्त व शोर-शराबे से कोसों दूर रहते थे। शहरों से दूर स्थित तीर्थों में एकान्त स्थलों पर चातुर्मास करते थे। हाथी, घोड़ा, पालकी व बैण्ड-बाजों की चकाचौंध से अलग सादे समारोह में दीक्षा का आयोजन करते थे।

मुरैना-पोरसा व रामपुर में हुई बारिश, छाए रहे बादल

नवभारत न्यूज

मुरैना, 7 अक्टूबर। अक्टूबर के महीने में भी बादलों के लगातार बरसने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को सुबह से ही काले बादलों की आवाजाही बनी थी, दोपहर बाद मुरैना सहित पोरसा और रामपुरकलां में हल्की बारिश का दौर भी चला। हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के चलने से तापमान में गिरावट आई और पारा लुढ़ककर 30 डिग्री पर आ गया। वहीं रात का तापमान 22 डिग्री के आसपास ठहरा हुआ है।

यहां बताना होगा कि इस बार

खरीफ सीजन में मुरैना जिले में 1 लाख 50 हजार हेक्टेयर में किसानों ने बाजरा की बोवनी की थी। लेकिन अतिवृष्टि और बारिश के चलते किसानों की बाजरा की फसल पूरी तरह खराब हो गई। बाजरा की फसल खेत में बोवनी के ही बाद ही बर्बाद हो गया। जिसके चलते आरबीसी एक्ट के नियमानुसार किसानों का नुकसान शून्य माना गया। इसके बाद किसानों को उम्मीद है कि रबी सीजन में सरसों की अच्छी फसल होगी।

15 अक्टूबर तक सरसों बुआई का समय, बारिश का दौर जारी : कृषि वैज्ञानिकों की मानें तो अंचल में सरसों बोवनी का उपयुक्त समय 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक रहता है। लेकिन सितंबर व अक्टूबर महीने में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मंगलवार 7 अक्टूबर को भी शहर सहित अंचल में बारिश हुई, जिससे खेतों में नमी आ गई।

बारिश बंद होने के एक सप्ताह बाद हो सकेगी बुआई : सरसों की बुआई के लिए अब 8 से 10 दिन का समय ही शेष रह गया है। 7 अक्टूबर को को फिर तेज बारिश से खेतों में पानी भर गया है, जिसके सूखने पर एक सप्ताह बाद खेत जुताई के लिए तैयार हो सकेंगे। ऐसे में अगर 8 से 10 अक्टूबर तक बारिश बंद नहीं हुई तो किसानों की मुश्किलें और अधिक बढ़ जाएगीं।

इनका कहना है...

मौसम विभाग भोपाल द्वारा जो पूर्वानुमान बताया गया है उसके अनुसार 8 से 10 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावनाएं हैं, जिसके बाद बारिश का दौर थमेगा और मौसम साफ हो जाएगा। इसलिए किसान 10 अक्टूबर के बाद ही सरसों की बुआई करें।

- डॉ. हरवेंद्र सिंह

कृषि वैज्ञानिक आंचलिक कृषि अनुसंधान केंद्र